देहरादून में दो दविसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

चर्चा में क्यों?

4-5 दसिंबर, 2021 को आज़ादी का अमृत महोत्सव के हस्सिे के रूप में वन अनुसंधान संस्थान **(FRI),** देहरादून में वर्चुअल मोड में कार्बोहाइड्रेट (कार्बो **XXXV**) के रसायन वज्ञिान और जीव वज्ञिान में प्रगति पर दो दविसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजति कयिा गया।

प्रमुख बदिु

- इस सम्मेलन का उद्घाटन भारतीय वानकिी अनुसंधान और शक्षिा परषिद के महानदिेशक एएस रावत ने कयिा।
- इस सम्मेलन में एफआरआई, सीएसआईआर, आईआईटी, आईआईएसईआर प्रयोगशालाओं के वैज्ञानकिों सहति भारत, यूएसए, जर्मनी, यूके, नीदरलैंड तथा पुर्तगाल के शैक्षणकि संस्थानों की 250 से अधकि प्रतभिागियों ने भाग लयिा।
- इस अवसर पर बोलते हुए एएस रावत ने भोजन और दवा सहति जीवन के वभिन्नि पहलुओं और उनके औद्योगकि महत्व में कार्बोहाइड्रेट की भूमकिा पर ज़ोर दयिा।
- रावत ने खरपतवारों के मूल्य वर्धति उपयोग के लयि नई तकनीकों को वकिसति करने पर भी ज़ोर दयिा ताकि जंगलों की रक्षा की जा सके और लोगों के लए आजीवकिा का स्रोत पैदा कयिा जा सके।
- क्षेत्र में पहचानी जा रही वभिन्नि चुनौतयिों के बारे में बोलते हुए, उन्होंने आगे वैज्ञानकिों और प्रौद्योगकिीवदिों से न केवल कार्बोहाइड्रेट की उन्नति के लयि नवीन उपकरण और तकनीक वकिसति करने का आह्वान कयिा, बल्कि पारस्परकि वचिारों और लाभ के अनंत अवसरों को बनाने के लयि तथा समाज के कल्याण और राष्ट्र के आर्थकि वकिास के लयि नवाचारों के लयि प्रेरणा हेतु क्रॉस-डसिपिलिनिरी वैज्ञानकि बातचीत और सहयोग को भी बढ़ावा दयिा।
- कार्यक्रम के पहले दनि दो तकनीकी सत्र हुए जसिमें भारत, अमेरकिा, जर्मनी, नीदरलैंड और पुर्तगाल के वक्ताओं द्वारा 10 आमंत्रति व्याख्यान और चार लघु व्याख्यान दएि गए।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/two-day-international-conference-in-dehradun